कम समय में हो सकेगा कुष्ठ रोग का बेहतर इलाज

भाव्या खुल्लर / उमाशंकर मिश्र

नई दिल्ली, मार्च 1, (इंडिया साइंस वायर): □ष्ठ □□□ □□खिला□ □हिम □□ □□ □□ □ही □□□□ □ज्ञानिक □□ दिश□ में निरं□□ □□□ □□ □□□हैं। □□ □□□□ □ध्य□□ □□□□□ □ष्ठ □□□ □□□□□□□ □□ लिए □□ □□ ड्र□ रिज□□ (□□□□ की व्यवस्थित □□□□□) □□ □ाफी प्र□□□□ □□□□ □□□ □□

□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ष्ठ □गियों □□□□□□ □□लिए किया □□ □□□□ □, □□लिए □□□□□तों□□□□□ □□ ड्र□ रिज□□ □□ *यूनिफाइड मल्टी-ड्र□ □□□□ (□□□□□टी)* □□□ दिया □□ □□□ में □□□□ □□□□□□ में किए □□ क्लीनिक□ ट्राय□ में □ष्ठ □□□ □□□□ □□ ड्र□ रिज□□ □□ □ाफी □□□ □ □□□प्र□□□□ □□□□ □□□ □□

□□□□□टी में रिफैम्पिसिन, क्लो□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□मिल हैं। □ध्य□□ में □□□ □□□□ प्रतिभ□गियों □□ □मिल किया □□□ □, □□न्हें □□□□नों □□□□□नियमित रू□ □□□□ □हीने□□□ दी □ईं□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ स्थानों □□ किए □□ □□ □ध्य□□ में □मिल □ष्ठ □□□ □□ □रीजों □□ □□□ □□□ □□ निरीक्ष□ किया □□□□

□□□□□तों□□□□□□□बिक □ध्य□□ में □मिल **99** प्रतिश□ □रीजों में □□□□□ □ष्ठ □□□ की शिक□□□□ □हीं □□□ □□□ *□□□□□टी* की स्वीक□र्यता □□ □ाफी □धिक □□□ □□ □□क्योंकि **94** प्रतिश□ □रीजों □□ □□ ड्र□ रिज□□ □□ □□ किया □□□ □ज्ञानिकों □□ □□□□ □□कि □□ ड्र□ रिज□□ □□ □ष्ठ □□□ □□□ड़ित □□□ □□□ □□ □रीजों □□ □□□□ □□लिए □ष्ट्री□ □□□□□□□ष्ट्री□ □र्यक्रमों □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□

फिल□□□ □ब्ल्यूएच□ की सिफ□रिश □□□□□□□ □ष्ठ □□□ □□ □□□□□ □ल्टी ड्र□ □□□□ (□□□□टी) □□ किया □□□□ □□ □□कि □□ ड्र□ रिज□□ *□□□□□टी* □□ □□□□रिक □□□□टी □□□□□□□□□□फी प्र□□□□ □□□□ □□□ □□ *□□□□□टी* □□□□□ की □□□ □□□□ □, □□□□□□ल्थ–□केर □□ □क्टर की □□□□□□ में □□□□ दिया □□□□ □□□□□□□□□ □रीज □□ 600 मि.ग्रा. रिफैम्पिसिन, 300 मि.ग्रा. क्लो□□□□□□□ □□ 100 मि.ग्रा. □□□□□ की □सिक □□□ □क्टर □□ □ल्थ–□केर की निग□□□□ में दी □□□□ □□□□□□ □□□-□□□ 50 मि.ग्रा.क्लो□□□□□□□ □□□100 मि.ग्रा. □□□□□ की नियमित □□□ □रीजों □□ □□ □□□ □□□□ □□ 12 □हीने□□□□□□□□□□□□□□□टी की □□क्षा □□ □□ ड्र□ रिज□□ की □□ □□धि □□□ □□ □हीने□ही □□

□स्सी □□□□□ □□□ध्य में □ल्टी–ड्र□ □□□□ □□□□□ में □□□□□□□ □ष्ठ □गियों की □ख्या □निया □□ में □ाफी □□ □□ □□ □ब्ल्यूएच□ □□□□बिक □र्ष **1985** में विश्व में □ष्ठ □□□ □□□ड़ित □रीजों की □ख्या □रीब **52** □□□ □, □□ □र्ष **2015** □□□□ □□ □□□□ **1.76** □□□ □□ □□□ □हीं, □□□□ में □र्ष 2015 में 1.27 □□□ □ष्ठ □□□ □□□□ □□□□□□□□□□□□□ □, □□ □□विश्व □□ □रीब 60 प्रतिश□ □□□□□□कि □र्ष 2005 में □□□□ □□ □धिक□रिक रू□ □□□ष्ठ □□□ □□□क्त □षित □□ दिया □□□ □, □किन □□ □□□री स्वास्थ्य □□क्षेत्र में □□ □□□□ □□□ □□ □□क्योंकि □□□□□□□ □□□□□□□क्स□ □□□□□□□□□□□□हैं। □□ लिह□ □□□खें □□ □□ ड्र□ रिज□□ की □□□ □□ □□□□ □श्विक □□त्व □□

□□□□ में □□ स्थानों □□ किए □□ क्लीनिक□ ट्राय□ में □□□□□ □मिल□□□□□तिरु□न्ना□□□□ □□□ वित□□□ □□□ष्ठ नियंत्र□ □र्यक्र□ □□□□र्याल□ □□ □मिल □□ □□कि, □□□□□ में ट्राय□ □□ □□□□ □□*□□□□□□□□ □स्टीट्यू□ □□□ □प्रोस□ □□ □□□ □□□क्रोबैक्टिरि□□ □□□□* □□□□□ दिय□□

□ध्य□□ □□□□क्लिनिक□ ट्राय□ □□ □□□□□ □न्न□ स्थित □□□□ □स्टीट्यू□ □□ □पि□मिय□□□□ □□किय□ □□ □□□□□विश्व स्वास्थ्य □□□□ (□ब्ल्यूएच□) की □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□ □हीं, □□□ में □□ □ध्य□□ □□□□ट्राय□ □□□□□ □□ □न्ना□ प्रांतों में किए □□ □□क्लिनिक□ ट्राय□ □□प्राप्त □□□□□*□डिय□□ □र्नल □□ □डिक□□ रिस□र्च* □□□□□ □□ में प्र□□शित □□ हैं।

(□डिय□ □□□□ □□□□)